

EXPT. NO. : 8-2

PAGE NO .: 09

DATE: 39/5/2026

अभागः अकि विद्रालय निविधीमा अवः एमि भः नश्र तम्बार्श हाउशा आहर। चिरुक्रिक ऑक्टिए श्रि ।

एयः चिद्रध्यतं िनि वायुत्र रेप्प्यातं समिति विद्वरिति प्रविभीमा यस्त । पूर्वि दक्त ७ পরিসীমা দেওয়া থাবন্দে তিহুওটি আঁবণ সমূব।

लक्षाक्तीय देशकर्गः

21 िक्स / कमात्र

21 70 ma

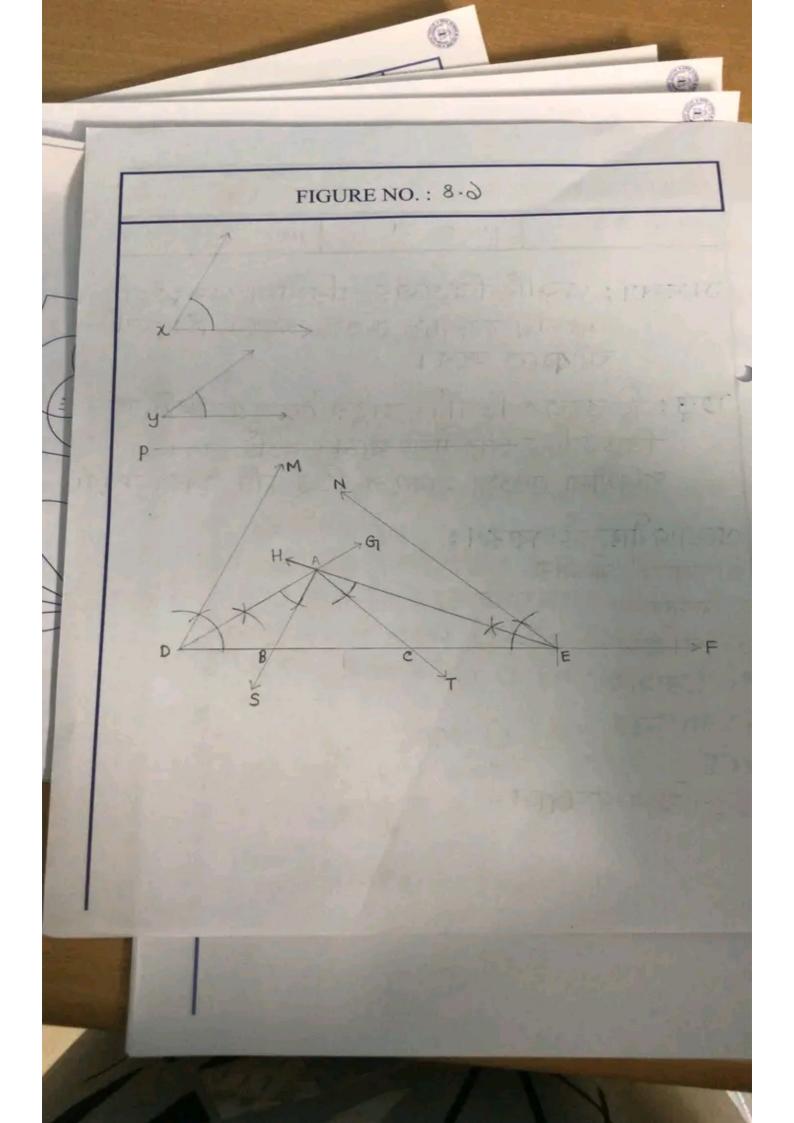
७। (त्रिम्न

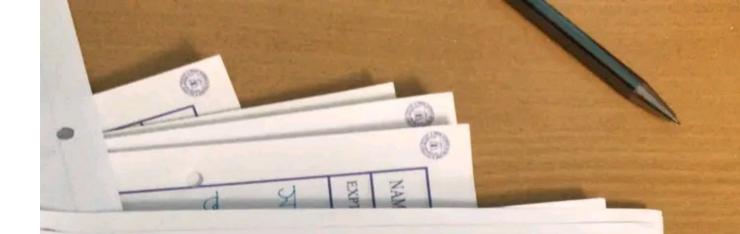
8। रेंद्रिकार्

ए। भाभनाइ

191516

৭। প্রেন্সিল-কর্মাস





NAME	OF THE	EXPERIMENT:

EXPT. NO.:

PAGE NO .: OF

DATE:

কার্টের প্রায় ঃ

2) यहन कति, चिद्रक्षितं अवित्रीमा p प्रयः इति यश्निश्च दिनान पूर्वि यथाक्ता ८० ७ ८५।

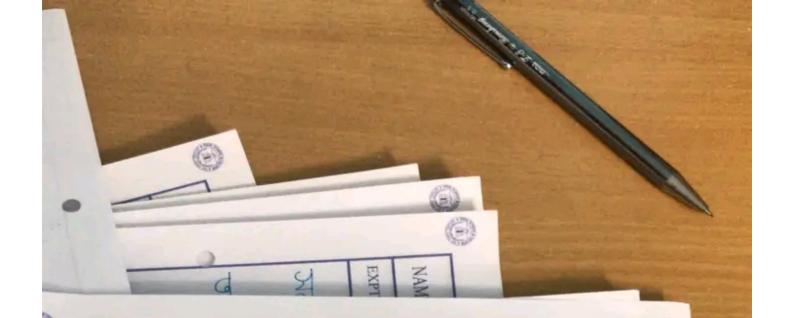
२। त्यादकादमा त्रिक्स DF (यादक P एत्र समान कहन DE

01 DE तरं जकई अख्य D B E युने व रम त रम

81 LEDM ७ LDEN এतं स्मापिश्चिक राशासुक्त DGI ७ EH जॉकि। DGI ७ EH अतम्पन A विन्त्रण स्ट्रिंग कर्रिं।

उप यथाक्त B B C विन्तु उद्दे कहा।

DIRGH, इ सिम्प्रिक विद्राप



NAME	OF	THE	EXPERIMENT :	
TACKINIT	OF	LITE	CAPERINENT	1

EXPT. NO. :

PAGE NO.: 05

DATE

अव्यक्ताः

2। हिन जाफ्रादान शूर्व भाषाता क्षा कार्या क्षिल अरु करत तिटण श्व।

২। অঞ্জনের চিহ্ন ও বিবরণ স্পষ্ট ও যথাযথজাবে নিখতে হবে।